तापमान
अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 19.0 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, सोमवार 12 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

मां दंतेश्वरी मंदिर में अमेरिका कनाडा और अबूधाबी के भक्तों के भी ज्योत प्रज्जवलित



दंतेवाड़ा। आदि शक्ति पीठ मां दंतेश्वरी के दरबार में शारदीय नवरात्र की शुरुआत हो गई है। हजारों की संख्या में मनोकामना के ज्योत प्रज्जवलित हुए। प्रथम दिन रविवार को जलाये जाने वाले हजारों मनोकामना ज्योत में अमेरिका, कनाडा और अबुधाबी के एनआरआई भक्तों की भी ज्योत शामिल हैं। नार्थ केलोरीना अमेरिका के प्रेरणा, ईशविक, कार्तिक के अलावा यूएई अबुधाबी के निलिका तथा अनमोल सिंह, कनाडा के अरविंद विजय वर्मा ने ज्योत जलाने रसीद कटाई है।

नवरात्रि विशेष



द्वितीयः ब्रह्मचारिणी

देवी भगवती का दूसरा स्वरुप ब्रह्मचारिणी मां का है। दूसरे नवरात्रि को ब्रह्मचारिणी मां की पूजा होती है। ब्रह्मांड को जन्म देने के कारण ही देवी का दूसरा स्वरुप ब्रह्मचारिणी कहलाया। देवी की यहीं आद्या शक्ति है। यहां ब्रह्म शब्द का रुप तपस्या है। ब्रह्मचारिणी अर्थात तप की चारिणी। कथा है कि सृष्टि उत्पत्ति के समय ब्रह्माजी ने मानष पुत्रों को जन्म दिया पर वे कालातीत होते रहे। सृष्टि का विकास नहीं हो सका। अचंभित ब्रह्माजी ने सदाशिव से पूछा कि ऐसा क्यों। शिवजी ने कहा कि देवी शक्ति के बिना यह असंभव है। सब देवता देवी की शरण में गए। इस पर ब्रह्मचारिणी ने सृष्टि का विस्तार किया है। इसी के बाद नारी शक्ति को मां का स्थान मिला है। मां के इस रुप की आराधना का मंत्र है-
दधाना
करपद्माभ्यामक्षमालाकमंडलू।
देवि प्रसीदतु मयि
ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

9 दिनों की कठिन तपस्या करेंगे रघुनाथ नाग, जोगी बिठाई विधान आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा की सदियों पुरानी परंपराओं में जोगी बिठाई का विशेष महत्व है। कल सिरहासार भवन में पारंपरिक जोगी बिठाई की रस्म निभाई जाएगी। इस ऐतिहासिक अनुष्ठान में बड़े आमाबाल गांव के निवासी रघुनाथ नाग जोगी के रूप में 9 दिनों तक कठिन तपस्या करेंगे। हल्बा समुदाय से आने वाले रघुनाथ नाग का परिवार पीढ़ियों से इस परंपरा का निर्वहन करता आ रहा है।बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट जनजातीय परंपराओं, रीति-रिवाजों और धार्मिक आस्थाओं के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। इसकी सबसे खास विशेषताओं में जोगी बिठाई भी शामिल है। इस रस्म के माध्यम से मां दंतेश्वरी की आराधना करते हुए पूरे दशहरा पर्व के शांतिपूर्ण और निर्विघ्न संपन्न होने की कामना की जाती है।

- मां दंतेश्वरी से दशहरा निर्विघ्न संपन्न होने की करेंगे कामना

बड़े आमाबाल के हल्बा समुदाय से आते हैं रघुनाथ



पीढ़ियों से निभाई जा रही परंपरा

बड़े आमाबाल के रघुनाथ नाग और उनका परिवार इस ऐतिहासिक परंपरा से जुड़ा हुआ है। जोगी बिठाई केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि बस्तर की सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय समाज की गहरी आस्था का प्रतीक भी है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस परंपरा का निर्वहन होना बस्तर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है।बस्तर दशहरा की अन्य रस्मों की तरह जोगी बिठाई भी स्थानीय समाज की भागीदारी और परंपरागत मान्यताओं के साथ संपन्न होती है। इसकी विशेषता यह है कि यहां दशहरा उत्सव का केंद्र केवल उत्सव और उल्लास नहीं, बल्कि तपस्या, साधना और सामूहिक कल्याण की कामना भी है।75 दिनों तक चलने वाले बस्तर दशहरा में जहां विभिन्न रस्में अपनी अलग पहचान रखती हैं, वहीं जोगी बिठाई आस्था, त्याग और परंपरा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करती है।रघुनाथ नाग की तपस्या के साथ एक बार फिर बस्तर की ऐतिहासिक परंपरा का निर्वहन होगा और मां दंतेश्वरी से दशहरा पर्व के निर्विघ्न संपन्न होने की प्रार्थना की जाएगी।

गड्ढे में बैठकर करेंगे कठिन तपस्या

परंपरा के अनुसार, जोगी बिठाई के लिए सिरहासार भवन परिसर में विशेष स्थान तैयार किया जाता है। यहां जोगी को एक निश्चित मुद्रा में बैठकर साधना करनी होती है। मान्यता है कि जोगी 9 दिनों तक कठिन तपस्या और उपवास के माध्यम से मां दंतेश्वरी के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। इस अनुष्ठान को बस्तर दशहरा की सफलता और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना से जोड़कर देखा जाता है।

शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में ज्योति कलश स्थापित, सुबह से दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते रहे श्रद्धालु

नवरात्रि पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए लगी लंबी कतार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर शहर में देवी आराधना की धूम है। मां दुर्गा के प्रति आस्था और विश्वास के साथ श्रद्धालु सुबह से ही विभिन्न देवी मंदिरों में पहुंचकर दर्शन-पूजन कर रहे हैं। शहर के प्रमुख मंदिरों में भक्तों द्वारा ज्योति कलश की स्थापना की गई, मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-अर्चना के बीच भक्तिमय माहौल बना हुआ है। वहीं बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ी । शहर के नयामुंडा स्थित हिंगलाज माता मंदिर, पथरागुड़ा और फ्रेजरपुर के दुर्गा मंदिर, पनारापारा स्थित शीतला माता मंदिर तथा मोतीतालाब पारा स्थित काली मंदिर में नवरात्रि के दौरान विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है।

इन मंदिरों में भक्तों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार ज्योति कलश स्थापित कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। भक्तों ने माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और परिवार की मंगलकामना के लिए प्रार्थना की।



कुमार जयदेव ने की पूजा-अर्चना

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव के बड़े भाई कुमार जयदेव ने मां दंतेश्वरी मां मावली मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने माता से बस्तर सहित पूरे प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं को नवरात्र और बस्तर दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मां दंतेश्वरी सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें और सभी के जीवन में सुख-समृद्धि का संचार हो।

बस्तर के देवी मंदिरों में भी उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवरात्र के पहले दिन मां दंतेश्वरी और मावली मंदिर के अलावा छोटे डोंगर, बड़े डोंगर और गिरोला स्थित मंदिरों में भी सुबह से ही भक्त दर्शन के लिए पहुंचते रहे।श्रद्धालुओं ने अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए पूजा-अर्चना की तथा मनोकामना ज्योति प्रज्वलित की। इस अवसर पर योगेश ठाकुर पीताम्बर ठाकुर मुरली सिंह देवेंद्र राठौर प्रकाश रावल रविन्द्र दास मनोज जंगम विवेक जैन धीरज मेहरा सहित धाकड़ समाज के महिलाएं भी उपस्थित थे।

मां दंतेश्वरी मंदिर में सुबह से लगी कतार

नवरात्रि के दौरान सबसे अधिक भीड़ शहर के राजवाड़ा परिसर स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर में देखने को मिली। बस्तर की आराध्य देवी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर में दर्शनार्थियों की कतार लगभग 500 मीटर तक लंबी हो गई। अपनी बारी का इंतजार करते हुए श्रद्धालु कतारबद्ध होकर माता के दर्शन के लिए आगे बढ़ते रहे। नवरात्रि के अवसर पर मंदिर परिसर में दिनभर भक्तों की आवाजाही बनी रही।नवरात्रि का पर्व बस्तर में धार्मिक आस्था और परंपराओं का महत्वपूर्ण प्रतीक है।इन दिनों मंदिरों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ और ज्योति कलश स्थापना की परंपरा से पूरा शहर भक्तिमय वातावरण में सराबोर है।

मावली मंदिर में धाकड़ क्षत्रीय राजपूत समाज ने की ज्योति कलश स्थापना

नवरात्र के प्रथम दिन मावली मंदिर में बस्तर धाकड़ क्षत्रीय राजपूत समाज ने ज्योति कलश स्थापना का आयोजन किया । माता के दरबार में पूजा-अर्चना कर आस्था की ज्योति प्रज्वलित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की गई। मां दंतेश्वरी मंदिर के प्रधान पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी ने बताया कि नवरात्र के पहले दिन सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं का लगातार आगमन हो रहा है। भक्त माता के दर्शन कर रहे हैं, अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए संकल्प ले रहे हैं और आस्था की ज्योति प्रज्वलित कर रहे हैं।

किन्नर समाज ने नवरात्रि की पहली रात मां दंतेश्वरी को चढ़ाई चुनरी



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के दरबार में नवरात्रि के पहले दिन आस्था, विश्वास और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। किन्नर समाज के लोगों ने शनिवार की आधी रात गाजे-बाजे के साथ रैली निकालकर मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंचकर चुनरी अर्पित की। नाचते-गाते और जयकारे लगाते हुए मंदिर पहुंचे समाज के लोगों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर बस्तरवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पिछले 17 वर्षों से लगातार निभाई जा रही इस परंपरा में शामिल होने के लिए ओडिशा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से किन्नर समाज के सदस्य जगदलपुर पहुंचे थे। समाज के सदस्यों ने बताया कि हर साल नवरात्रि के पहले दिन मां दंतेश्वरी को सबसे पहले चुनरी चढ़ाने की परंपरा निभाई जाती है। इस आयोजन को लेकर समाज के लोगों में विशेष उत्साह रहता है। मां के दरबार में पहुंचकर उन्होंने उन परिवारों के लिए संतान ⏭शेष पेज 10 पर

दो सदस्य रखते निर्जला उपवास, बग्घी में लेकर पहुंचते हैं चुनरी



मां दंतेश्वरी को सबसे पहले चुनरी अर्पित करने की इस परंपरा में किन्नर समाज के दो सदस्य निर्जला उपवास रखते हैं। दोनों उपवासधारी बग्घी में सवार होकर चुनरी और सुहाग का जोड़ा लेकर मंदिर पहुंचते हैं। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मां दंतेश्वरी को चुनरी चढ़ाई जाती है। समाज के लिए यह रस्म विशेष महत्व रखती है और इसे पूरी श्रद्धा के साथ निभाया जाता है।

खबर संक्षेप



प्याज के बढ़े दामों ने बढ़ाई चिंता, गोभी और मटर के तेवर भी तीखे

जगदलपुर। प्याज के बढ़ते दाम ने रसोई का स्वाद बिगाड़ दिया है। प्याज की कीमत बढ़ गई है और खराब मौसम के चलते प्याज के दाम कम होने की संभावना कम नजर आ रही है। घरों की रसोई में बढ़ रहे प्याज के दामों ने रसोई का जायका बिगाड़ दिया है और आम आदमी की रसोई से प्याज गायब हो गया है। आज प्याज 70 रुपये किलो के भाव से मिल रहा है। जानकारों का मानना कि प्याज के भाव घटने की बजाय बढ़ेंगे। गृहणियों ने कहा कि जिस तरह प्याज के भाव बढ़ रहे हैं, उससे उनके रसोई का बजट बिगड़ रहा है। बाजार में टमाटर 25, कुंदरू 80, परवल 80, करेला 80, पत्तागोभी 40, फूलगोभी 100, बरबट्टी 40, भट्टा 60, आलू 20, प्याज 60-70, मटर 200, खेक्सी 100, धनियापत्ती 100 रुपए प्रतिकिलो बिक रही है।

विशाल रंगोली से दिया नक्सल मुक्त, शांतिपूर्ण भारत का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय में नक्सल मुक्त बस्तर की संकल्पना एवं सेवा-संकल्प कार्यक्रम के तहत भारत मंडला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने विशाल रंगोली बनाकर नक्सलवाद मुक्त, शांतिपूर्ण और सुरक्षित भारत का संदेश दिया। रंगोली कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन तथा सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो संकल्प लेते हैं, उन्हें पूरा करने का प्रयास करते हैं। युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने ⏭शेष पेज 10 पर



विकसित भारत का होगा निर्माण

महापौर संजय पांडेय ने स्वामी विवेकानंद के विश्वगुरु भारत के सपने का उल्लेख करते हुए कहा कि समर्पण और मानवता के संस्कारों से ही विकसित भारत का निर्माण होगा। पूर्व विधायक डॉ. सुभाऊ कश्यप सहित अन्य वक्ताओं ने नक्सल मुक्त बस्तर की संकल्पना, क्षेत्र में शांति और विकास के प्रयासों पर विचार रखे। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. अमितांशु शेखर झा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों की रचनात्मकता और मेहनत की सराहना की।

शारदीय नवरात्रि पर स्वदेशी मेला का हुआ भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

लालबाग मैदान में आगामी 18 से 26 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले स्वदेशी मेला का भूमिपूजन शारदीय नवरात्र के प्रथम दिवस पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप, महापौर संजय पाण्डेय, बस्तर चैम्बर के अध्यक्ष श्याम सोमानी तथा इंद्रावती प्राधिकरण के उपाध्यक्ष शरद अवस्थी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं स्वदेशी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।भूमिपूजन के अवसर पर सांसद ने कहा कि स्वदेशी का संदेश घर-घर तक पहुंचाना आज देश की आवश्यकता है। दत्तोपंत ठेंगड़ी के स्वदेशी विचारों एवं प्रेरणाओं को आत्मसात करते ⏭शेष पेज 10 पर



ये रहे मौजूद

इस मौक पर स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत संपर्क प्रमुख सुब्रत चाकी, बस्तर संभाग संयोजक डॉ राम राकेश जांगिड़, सह संयोजक अनिल लुंकड, लक्ष्मण झा, संग्राम सिंह राणा, प्रांत पत्रिका प्रमुख जी आर जगत, विधुशेखर, रोहित बैस, धीरज कश्यप, सुलता महाराणा, मनीष अहीर, रामनरेश पाण्डेय, जयेश पांचाल, भावेश सुरेश गुप्ता, संतोष गोड़, श्याम सुन्दर भगेल, कुबेर देवांगन, कलावती केशर, राजपाल केशर, संतोष त्रिपाठी, आशोतोष पाल,शीशीनाथ पाठक, पारिश राम बेशरा मौजूद रहे।

आईजी ने किया टूर्नामेंट का शुभारंभ 110 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नेताजी सुभाषचंद्र बोस क्रिकेट ग्राउंड में अंडर-23 बस्तर टी-20 लीग सीजन-2 का शानदार आगाज हुआ। बस्तर रेंज के आईजी बद्री नारायण मीणा ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 110 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। टूर्नामेंट में कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं। खास बात यह है कि बस्तर में पहली बार इस स्तर की क्रिकेट प्रतियोगिता में डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) का इस्तेमाल किया जा रहा है।टूर्नामेंट का पहला मुकाबला चैंपियन क्रिकेट एकेडमी कोंडागांव और बस्तर पैंथर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोंडागांव की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 120 रन बनाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 23 रन के स्कोर ⏭शेष पेज 10 पर

- बस्तर टी-20 लीग सीजन-2 का आगाज



कप्तान हिमांशु की पारी से मिली जीत

121 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बस्तर पैंथर की शुरुआत खराब रही। कोंडागांव के गेंदबाज राज शुक्ला ने पहले ही ओवर में सलामी बल्लेबाज उत्कर्ष ठाकुर को बिना खाता खोले आउट कर दिया। हालांकि, कप्तान हिमांशु नायक ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने छह चौकों और एक छक्के की मदद से 45 रन बनाकर टीम को जीत की राह पर बनाए रखा। बस्तर पैंथर ने 17 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और सीजन-2 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। कोंडागांव की ओर से निखिल कुमार ने चार ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि राज शुक्ला को दो विकेट मिले। शानदार गेंदबाजी के लिए रितेश बघेल को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

ध्यान और सकारात्मक जीवनशैली से मानसिक संतुलन बनाए रखने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में शनिवार को जिला न्यायालय में पदस्थ न्यायालयीन कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं तनाव प्रबंधन शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष गोविंद नारायण जांगड़े के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में कर्मचारियों को कार्यस्थल के दबाव से निपटने, मानसिक शांति बनाए रखने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उपाय बताए गए। शिविर में आर्ट आफ लिविंग की ⏭शेष पेज 10 पर



गतिविधियों के लिए समय निकालना चाहिए

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी अंकिता कश्यप ने कहा कि न्यायालयीन कर्मचारियों को व्यस्त कार्यक्षेत्र के साथ अपने व्यक्तिगत जीवन में भी मनोरंजक एवं रचनात्मक गतिविधियों के लिए समय निकालना चाहिए। इससे मानसिक तनाव कम करने, कार्यक्षमता बढ़ाने और अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन करने में मदद मिलती है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के प्रति संवेदनशील एवं सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति की मानसिक परेशानी का उपहास करने के बजाय उसकी समस्या को समझना, उसे प्रोत्साहित करना और आवश्यक सहयोग देना चाहिए। मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य के समान महत्वपूर्ण है। इसके प्रति समाज में जागरूकता और सकारात्मक सोच विकसित करना सभी की जिम्मेदारी है।

अधिकारी नियुक्त, पर कार्यालय का सेटअप अधूरा

सेतु मंडल में एसई, ईई ने संभाला प्रभार, कर्मचारियों की पदस्थापना का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

लोक निर्माण विभाग में प्रशासनिक फेरबदल के बाद उत्तर बस्तर संभाग क्रमांक-2 कार्यालय को बंद कर कोरिया संभाग में नवीन कार्यालय शुरू किया गया है। वहीं एक माह पूर्व ही उत्तर बस्तर संभाग क्रमांक-2 के पुराने भवन को लोक निर्माण विभाग सेतु मंडल जगदलपुर के रूप में विकसित किया गया है। नए सेतु मंडल के संचालन के लिए अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंता की नियुक्ति भी कर दी गई है। दोनों अधिकारियों ने अपने पद का प्रभार संभाल लिया है, लेकिन कार्यालय में जरूरी व्यवस्थाएं अब तक पूरी नहीं हो सकी हैं। स्थिति यह है कि अधिकारी नियुक्त होने के बावजूद कार्यालय का सेटअप तैयार नहीं होने से नियमित कामकाज शुरू करने में दिक्कतें आ रही हैं। लोक निर्माण विभाग द्वारा सेतु मंडल जगदलपुर के लिए अधिकारियों की नियुक्ति किए जाने के बाद उम्मीद थी कि यहां विभागीय कार्यों का संचालन व्यवस्थित रूप से शुरू हो जाएगा। इसके लिए पुराने संभागीय कार्यालय भवन को नया स्वरूप देकर सेतु मंडल कार्यालय के रूप में संचालित करने की व्यवस्था की गई है।

हालांकि कार्यालय में आवश्यक फर्नीचर, कर्मचारियों की पदस्थापना और अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं की स्थिति स्पष्ट नहीं होने से कामकाज को गति नहीं मिल पा रही है। नए सेतु मंडल कार्यालय को पूरी तरह क्रियाशील बनाने के लिए कर्मचारियों की पदस्थापना, अधिकारियों के चेंबर का निर्धारण और जरूरी कार्यालयीन संसाधनों की व्यवस्था करना ⏭शेष पेज 10 पर

- कार्यालयीन व्यवस्था के अभाव में शुरू नहीं हो पा रहा कामकाज



अधिकारियों के चेंबर भी तय नहीं

कार्यालय की तैयारियों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोनों अधिकारियों के लिए चेंबर तक निर्धारित नहीं किए गए हैं। कार्यालय का सेटअप पूरा नहीं होने के कारण अधिकारियों के बैठने और विभागीय कार्यों के संचालन की व्यवस्था अधूरी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब अधिकारियों की नियुक्ति और पदभार ग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, तो कार्यालय की आवश्यक व्यवस्थाएं अब तक क्यों नहीं की गई हैं।

कर्मियों का किया जा रहा स्थानांतरण

लोनिवि सेतु परिक्षेत्र रायपुर के मुख्य अभियंता एसके कोरी ने इस संबंध में बताया कि जगदलपुर में अधीक्षण कार्यालय का सेटअप किया गया है। इसके लिए कर्मचारियों का शीघ्र ही स्थानांतरण किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में प्रधान अध्यापक की मौत, साथी शिक्षक घायल



फरसगांव। नेशनल हाईवे-30 पर लंजोड़ा और कोसागांव के बीच शनिवार शाम करीब 7 बजे सड़क हादसे में बाइक सवार शिक्षक सरादु नेताम (50) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे शिक्षक बृजलाल नेताम (50) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। मृतक सरादु नेताम ग्राम भर्रीपारा बहीगांव निवासी थे और प्राथमिक शाला हरवाकोडो में प्रधान अध्यापक के पद पर पदस्थ थे। वहीं घायल बृजलाल नेताम ग्राम चेरबेड़ा बहीगांव निवासी हैं और प्राथमिक शाला ओगलादेही में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। दोनों शिक्षक कोंडागांव से अपने घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि उनकी बाइक पहले ट्रक से टकराई, जिसके बाद वहां से गुजर रही कार ने भी उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में सरादु नेताम मौके पर ही दम तोड़ दी।

फरसगांव में चलाया गया स्वच्छता अभियान युवाओं ने किया श्रमदान

फरसगांव। शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन रविवार को फरसगांव नगर के वार्ड क्रमांक 07 में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मां दुर्गा मंदिर, गांधी चौक एवं बस स्टैंड के आसपास साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। अखिल भारतीय भूतपूर्व सैनिक सेवा परिषद की फरसगांव इकाई में निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं ने उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद संगीता राव, भाजपा मंडल महामंत्री प्रवीण राव, नगर पंचायत सीएमओ मयंक बसंतवानी सहित बप्पा नदी उपस्थित रहे।

NH-30 पर सड़क किनारे झाड़ियों की सफाई कर युवाओं ने पेश की मिसाल, सड़क सुरक्षा के लिए बढ़ाए कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर ग्राम चिचाड़ी के मोड़ के पास सड़क किनारे उगी घनी घास और झाड़ियों के कारण वाहन चालकों को आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। झाड़ियों की वजह से सामने से आने वाले वाहनों को देखने में कठिनाई होती थी, जिससे इस मार्ग पर दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई थी। समस्या की गंभीरता को समझते हुए जय इंग्लाजीन बूढ़ी माई युवा-युवती संगठन सोड़ापारा, चिचाड़ी के सदस्यों ने जनहित में सराहनीय पहल करते हुए सड़क किनारे उगी घास और झाड़ियों की साफ-सफाई की। संगठन के सदस्यों ने स्वयं आगे आकर सफाई कार्य किया, ताकि सड़क के मोड़ पर वाहन चालकों को सामने से आने वाले वाहनों की स्थिति स्पष्ट दिखाई दे सके।

झाड़ियों की वजह से थी दुर्घटना की आशंका



सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश

संगठन के सदस्यों की इस पहल ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों और ग्रामीण सड़कों के मोड़ों पर झाड़ियों के कारण दृश्यता प्रभावित होने की स्थिति में समय रहते सफाई करना आवश्यक है। जय इंग्लाजीन बूढ़ी माई युवा-युवती संगठन सोड़ापारा, चिचाड़ी की इस पहल से सामाजिक संगठनों और युवाओं को जनहित के कार्यों में आगे आने की प्रेरणा मिलती है। स्थानीय स्तर पर किए गए ऐसे प्रयास न केवल आसपास के वातावरण को बेहतर बनाने में सहायक होते हैं, बल्कि समाज में सहयोग, जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करते हैं।

जनहित को प्राथमिकता देकर किया श्रमदान

जय इंग्लाजीन बूढ़ी माई युवा-युवती संगठन के सदस्यों ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए यह कार्य किया। संगठन की इस पहल से यह संदेश मिलता है कि गांव और क्षेत्र की समस्याओं के समाधान में स्थानीय युवाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सड़क किनारे झाड़ियों की सफाई का यह कार्य भले ही छोटा दिखाई दे, लेकिन इसका उद्देश्य वाहन चालकों की सुरक्षा और आम लोगों को आवागमन में सुविधा प्रदान करना है।

बस्तर पुलिस क्रिकेट लीग में कांकेर की टीम बनी चौंपियन, नारायणपुर उपविजेता

बस्तर रेंज क्रिकेट प्रतियोगिता में कांकेर ने गाड़ा जीत का झंडा, आईजी मीना ने बढ़ाया जवानों का हौसला



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

पुलिस बल में खेल भावना, अनुशासन, शारीरिक फिटनेस और आपसी समन्वय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस लाइन कोण्डागांव में आयोजित तीन दिवसीय बस्तर पुलिस क्रिकेट लीग 2026 का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। 8 से 10 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में बस्तर रेंज के सात जिलों बस्तर, कोण्डागांव, कांकेर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा की पुलिस टीमों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में कांकेर पुलिस टीम ने खिताब अपने नाम किया, जबकि नारायणपुर की टीम उपविजेता रही। कांकेर के छनेश को मैन ऑफ द मैच तथा कोण्डागांव के मानकू को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया।

फाइनल में कांकेर का दबदबा, नारायणपुर को मिली उपविजेता की ट्रॉफी

10 अक्टूबर 2026 को कांकेर और नारायणपुर पुलिस टीमों के बीच प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों ने अपने प्रदर्शन के दम पर फाइनल तक का सफर तय किया। मुकाबले में खिलाड़ियों ने प्रतिस्पर्धा और खेल भावना का परिचय दिया। फाइनल के परिणाम में कांकेर पुलिस टीम विजेता बनी, जबकि नारायणपुर पुलिस टीम उपविजेता रही।

पुलिस महानिरीक्षक बी.एन. मीना ने मैदान में उतरकर बढ़ाया जवानों का उत्साह

प्रतियोगिता का प्रमुख आकर्षण पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज बी.एन. मीना की सक्रिय सहभागिता रही। उन्होंने स्वयं क्रिकेट खेलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और पुलिस बल में खेल गतिविधियों के महत्व को रेखांकित किया।

सेमीफाइनल में कांकेर और नारायणपुर ने मारी बाजी

प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। दोनों मुकाबलों के परिणाम के बाद कांकेर और नारायणपुर की टीमों ने फाइनल में जगह बनाई।

***पहला सेमीफाइनल** : कांकेर ने कोण्डागांव को हराया पहला सेमीफाइनल मुकाबला कांकेर और कोण्डागांव पुलिस टीमों के बीच खेला गया। इसमें कांकेर की टीम ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।*

***दूसरा सेमीफाइनल** : नारायणपुर ने सुकमा को दी शिकस्त दूसरे सेमीफाइनल में नारायणपुर और सुकमा की पुलिस टीमें आमने–सामने रहीं। इस मुकाबले में नारायणपुर ने जीत हासिल कर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की।*

सातों जिलों के पुलिस अधिकारियों की सहभागिता रही खास

बस्तर रेंज के सातों जिलों के पुलिस अधीक्षकों और राजपत्रित पुलिस अधिकारियों की सहभागिता प्रतियोगिता का विशेष आकर्षण रही। वरिष्ठ अधिकारियों और जवानों की एक साथ खेल में भागीदारी से टीम भावना, अनुशासन और सहयोग का संदेश सामने आया। एसपी पंकज चन्द्रा ने जताया आभार पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चन्द्रा, आईपीएस ने प्रतियोगिता में शामिल सभी जिलों की पुलिस टीमों, वरिष्ठ अधिकारियों और खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद की गतिविधियां पुलिस बल को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

वन मंत्री केदार कश्यप ने किया प्रतियोगिता का शुभारंभ

बस्तर पुलिस क्रिकेट लीग का उद्घाटन छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री केदार कश्यप ने किया। प्रतियोगिता में सातों जिलों के पुलिस अधिकारियों, राजपत्रित अधिकारियों और जवानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चन्द्रा, आईपीएस के नेतृत्व में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को नियमित दायित्वों के साथ खेल गतिविधियों से जोड़ना तथा उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाना रहा।

नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व शुरू मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना के साथ दर्शन के लिए पहुंचे भक्त



हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

शक्ति की आराधना के पावन पर्व नवरात्रि के प्रथम दिन केशकाल नगर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा विराजित की गई।

समिति के भारती नाग ने बताया कि पंडित कान्हा अग्निहोत्री के द्वारा विधि-विधान के साथ माता रानी की प्रतिमा स्थापित कर नौ दिवसीय नवरात्रि पर्व का शुभारंभ किया गया। प्रतिमा स्थापना के साथ ही नगर में भक्तिमय वातावरण बनने लगा और श्रद्धालुओं में उत्साह देखने को मिला।

नवरात्रि के प्रथम दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की जाती है। इसी के साथ भक्त नौ दिनों तक चलने वाली देवी आराधना में लीन हो जाते हैं। मां दुर्गा समिति द्वारा प्रतिमा स्थापना के बाद धार्मिक परंपराओं के अनुरूप पूजा-अर्चना की गई।

आस्था और भक्ति का केंद्र बना पूजा स्थल

नवरात्रि पर्व भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है। इन नौ दिनों में भक्त मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। केशकाल नगर में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना के साथ ही श्रद्धालुओं के बीच पर्व को लेकर उत्साह का माहौल है। भक्तजन माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर शासकीय कन्या स्कूल में दिए कानूनी और साइबर सुरक्षा के टिप्स



कोण्डागांव। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय कोण्डागांव में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्रओं को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, इससे जुड़े कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता तथा साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। यह कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव के अध्यक्ष खिलावन राम रिगरी के मार्गदर्शन एवं प्राधिकरण की सचिव गायत्री साय के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट तथा पैरालीगल वालंटियर एवं अधिकार मित्र रविन्द्र सिंह बघेल, गुलशन नेताम और वासुदेव मरकाम ने छात्रओं को जागरूक किया।

पात्र व्यक्तियों को मिलती है निःशुल्क विधिक सहायता

कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 की धारा 12 के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई। भट्ट ने बताया कि मानसिक बीमारी से प्रभावित व्यक्तियों सहित कानून में निर्धारित पात्रता श्रेणियों के लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार है।

विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक रहे उपस्थित

इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य अंजू मरकाम, व्याख्याता एस.ए. रफिख, के.एस. केमरो सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्रओं को मानसिक स्वास्थ्य, विधिक सहायता और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया।

साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट से बचाव के उपाय बताए

शिविर में मानसिक स्वास्थ्य के साथ–साथ साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन सुरक्षा के विषय पर भी जानकारी दी गई। छात्रओं को बताया गया कि साइबर अपराधी विभिन्न तरीकों से लोगों को डराकर, लालच देकर या उनकी निजी जानकारी हासिल करके ठगी करने का प्रयास कर सकते हैं। उन्हें अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, किसी के साथ ओटीपी और बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने तथा संदिग्ध कॉल या संदेशों से सावधान रहने की सलाह दी गई।

छात्राओं को अधिकारों के प्रति जागरूक करना

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रओं को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कानूनी अधिकारों और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देना था, ताकि जरूरत पड़ने पर वे सहायता प्राप्त कर सकें। विशेष रूप से आपात स्थितियों और आपदाओं में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया गया। शिविर के माध्यम से छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, मानसिक परेशानियों को गंभीरता से लेने और साइबर अपराधों से बचाव के लिए सतर्क रहने का संदेश दिया गया।

मानसिक स्वास्थ्य को बताया शारीरिक स्वास्थ्य का अभिन्न अंग

शिविर को संबोधित करते हुए प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य का अभिन्न अंग है। मानसिक रूप से स्वस्थ रहना व्यक्ति के जीवन, शिक्षा, सामाजिक संबंधों और आत्मविश्वास के लिए महत्वपूर्ण है।

शामपुर विद्यालय के पांच एनसीसी कैडेटों का राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर के लिए चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शामपुर के पांच राष्ट्रीय कैडेट कोर एनसीसी कैडेटों का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 2026 के लिए चयन हुआ है। यह शिविर रायपुर के लखौली में आयोजित किया जाएगा। विद्यार्थियों के चयन से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

तीन दसवीं और दो नौवीं कक्षा के विद्यार्थी चयनित

शिविर के लिए चयनित कैडेटों में कक्षा दसवीं की ज्योति, तुलसीवती एवं अर्चना तथा कक्षा नौवीं की पायल पांडे एवं दिव्या दीवान शामिल हैं। ये सभी कैडेट शिविर में भाग लेकर अपनी शारीरिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता और अनुशासन संबंधी कौशल को विकसित करेंगे।



प्रशिक्षण शिविर के लिए रायपुर हुए रवाना

चयनित पांचों कैडेट 10 अक्टूबर को कोण्डागांव से रायपुर स्थित प्रशिक्षण शिविर के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य अनूप कुमार वशिष्ठ, एनसीसी प्रभारी मुस्कान गुप्ता एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षक मुकेश यादव उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने चयनित कैडेटों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शिविर में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान मिलने वाले अवसरों का पूरा लाभ उठाने की सलाह दी।

नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ाने का मिलेगा अवसर

संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों में शारीरिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। शिविर में कैडेटों को नए अनुभव प्राप्त करने के साथ अपनी प्रतिभा निखारने और राष्ट्रीय कैडेट कोर के आदर्शों को आत्मसात करने का अवसर मिलेगा।

नवरात्रि के पहले दिन पंजाबी सनातन समाज के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

शारदीय नवरात्र के प्रथम दिन पंजाबी सनातन समाज धर्मसभा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण विधि–विधान और भक्तिमय माहौल में किया गया। समाज के प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति में कोंडागांव के पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और समाज प्रमुख डॉ. एसके कनवर ने भवन का लोकार्पण किया। नवरात्र के अवसर पर यहां नौ दिनों तक माता रानी की पूजा–अर्चना और सेवा की जाएगी। लोकार्पण कार्यक्रम में समाज की महिलाओं और पुरुषों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

- डॉ. एसके कनवर ने किया शुभारंभ, नौ दिनों तक होगी माता की पूजा–अर्चना



नौ दिनों तक गूंजेगी माता रानी की आराधना

नवरात्र के प्रथम दिन भवन के लोकार्पण के साथ ही धार्मिक गतिविधियों की शुरुआत हुई। पूरे नौ दिनों तक यहां श्रद्धा और भक्ति के साथ माता रानी की पूजा–अर्चना की जाएगी। समाज के लोगों के लिए यह भवन धार्मिक आयोजनों, सामाजिक कार्यक्रमों और आपसी मेल–मिलाप का प्रमुख केंद्र बनेगा। लोकार्पण के दौरान उपस्थित लोगों ने माता रानी से समाज की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

2 लाख 51 हजार रुपए का सहयोग देकर निभाई सहभागिता

भवन निर्माण में सहयोग की सराहना करते हुए समाज के लोगों ने नारायणपुर निवासी नरेंद्र वरमानी के योगदान की विशेष प्रशंसा की। उन्होंने पंजाबी समाज के भवन निर्माण के लिए अपने स्व माता पिता के नाम पर 2 लाख 51 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की है। समाज के सदस्यों ने उनके इस योगदान को सामाजिक सहभागिता और सहयोग की भावना का उदाहरण बताया।

पेज 09 के शेष...

किन्नर समाज ने ...

सुख की कामना की, जिनके घरों में संतान नहीं है। साथ ही शादी-विवाह में आ रही बाधाएं दूर होने, परिवारों के बसने, व्यापारियों के कारोबार में बरकत और शहर में सुख-शांति बनी रहने की प्रार्थना की। किन्नर समाज के सदस्यों ने बताया कि पहले इस आयोजन के दौरान उन्हें शहरवासियों का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाता था, लेकिन अब समय के साथ लोगों की सोच में बदलाव आया है। शहर के कई चौक-चौराहों पर उनके लिए पानी और खान-पान की व्यवस्था की जाती है। बुजुर्गों के समय से चली आ रही परंपरा : समाज के सदस्यों के अनुसार मां दंतेश्वरी को चुनरी चढ़ाने की परंपरा पिछले 17 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही है। हालांकि इसकी शुरूआत उनसे पहले समाज के बुजुर्गों ने की थी। हर साल नवरात्रि के दौरान दूर-दराज से समाज के लोगों का जगदलपुर पहुंचना इस परंपरा के प्रति उनकी गहरी आस्था को दर्शाता है। साल में एक बार निकलने वाला यह धार्मिक जलसा समाज के लोगों के लिए आस्था के साथ आपसी एकजुटता और जुड़ाव का भी प्रतीक बन चुका है।

सेतु मंडल में एसई ...

आवश्यक है। इन व्यवस्थाओं के पूरा होने के बाद ही कार्यालय का कामकाज नियमित रूप से संचालित हो सकेगा। फिलहाल स्थिति यह है कि अधिकारी पदस्थ हैं, प्रभार भी संभाल चुके हैं, लेकिन कार्यालय का सेटअप अधूरा होने से व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर नहीं आ पाई है। प्रभार संभाला, अब कर्मचारियों का इंतजार : सेतु मंडल जगदलपुर में अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंता की नियुक्ति के बाद दोनों अधिकारी प्रभार ग्रहण कर चुके हैं। इसके बावजूद कार्यालय में कर्मचारियों की पदस्थापना नहीं होने से प्रशासनिक कामकाज के संचालन को लेकर इंतजार बना हुआ है। कार्यालय के सुचारु संचालन के लिए जरूरी अमले की उपलब्धता महत्वपूर्ण है, लेकिन फिलहाल इसकी व्यवस्था पूरी नहीं हो सकी है।

ध्यान और सकारात्मक ...

राज्य परिषद के सदस्य मोहम्मद अमीन को स्रोत व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने न्यायालयीन कर्मचारियों को दैनिक जीवन में तनाव से निपटने के लिए ध्यान सहित विभिन्न उपयोगी तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान और सकारात्मक जीवनशैली अपनाकर मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है। कार्यस्थल पर उत्पन्न होने वाले दबाव का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए मानसिक शांति और सकारात्मक सोच आवश्यक है। शिविर का उद्देश्य न्यायालयीन कर्मचारियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, कार्यस्थल पर तनाव के प्रभाव को कम करने के उपाय बताना तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में न्यायालयीन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी तथा पैरालीगल वॉलंटियर उपस्थित रहे।

आईजी ने किया ...

पर दोनों सलामी बल्लेबाज प्रशांत पामर और मानव रनआउट होकर पवेलियन लौट गए। प्रशांत ने 12 रन बनाए।इसके बाद प्लाश मंडल ने जिम्मेदारी संभालते हुए 33 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 43 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। वहीं, गौरव ने 20 रन का योगदान दिया। बस्तर पैंथर की ओर से ऑफ स्पिनर अब्दुल ने चार ओवर में 21 रन देकर 2 विकेट झटके, जबकि तेज गेंदबाज रितेश बघेल ने चार ओवर में महज 12 रन खर्च किए और एक विकेट हासिल किया।

शारदीय नवरात्र पर...

हुए हम सभी को स्वदेशी के प्रति संकल्पित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वदेशी केवल भारतीय उत्पादों को अपनाने का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र के आर्थिक स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने का व्यापक विचार है। महापौर ने कहा कि स्वदेशी आज देश की आवश्यकता है। स्वदेशी मेला स्वदेशी विचारों का महाकुंभ है, जो भारतीय उत्पादों, स्थानीय उद्यमियों एवं स्वावलंबन की भावना को प्रोत्साहित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पूरी तन्मयता एवं समर्पण के साथ जुटकर मेले को सफल बनाने का आह्वान किया। मेला संयोजक किशोर पारख ने बताया की 17 अक्टूबर को रन फॉर स्वदेशी का कार्यक्रम मां दंतेश्वरी देवी मंदिर से निकला जायेगा।इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वदेशी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत बनाने का आह्वान किया। यह मेला भारतीय उत्पादों, स्थानीय उद्यमियों, कुटीर एवं लघु उद्योगों तथा स्वदेशी विचारधारा को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

विशाल रंगोली से ...

में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आने वाले 20 वर्षों में देश की दिशा और दशा तय करने में युवा शक्ति की अहम भूमिका होगी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र, स्वावलंबन केंद्र और मशरूम उत्पादन इकाई के विकास संबंधी प्रयासों का भी उल्लेख किया गया।



खबर संक्षेप

दिल्ली में नवाचार पेश करेंगे दंतेवाड़ा के 4 युवा वैज्ञानिक

गीदम। इंस्पायर अवार्ड्स मानक योजना के राज्य स्तरीय मुकाबले में दंतेवाड़ा के 4 होनहार छात्रों का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुआ है। छत्तीसगढ़ के 33 जिलों से शामिल 213 विद्यार्थियों में से कुल 20 का चयन हुआ, जिसमें दंतेवाड़ा ने बाजी मारी। अब आस्था विद्या मंदिर जावंगा के यशवंत नाग (ऑल इन वन वेइंग मशीन) व आयुष जैन (यूनिवर्सल इलेक्ट्रो डेस्क), एकलव्य स्कूल कटेकल्याण के अस्सो सोरी (स्त्राव कलेक्शन मशीन) और मिडिल स्कूल बर्रेम के गुलशन कुमार बरसे (महुआ कलेक्टिंग मशीन) 12 से 15 अक्टूबर 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय प्रदर्शनी में देश के सामने अपना नवाचार प्रस्तुत करेंगे।
इससे पहले जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद ठाकुर व नोडल अधिकारी अमुजुरी विश्वनाथ के मार्गदर्शन में आयोजित जिला स्तरीय ऑनलाइन प्रतियोगिताओं से सत्र 2023-24 के लिए 10 और सत्र 2024-25 के लिए 8 विद्यार्थियों (कुल 18) का चयन राज्य स्तर के लिए किया गया। इन सभी को मॉडल निर्माण हेतु 10000 रुपये की वित्तीय सहायता दी गई है।

मतदाता सूची ठीक करने बीएलओ की बैठक

बस्तर। निर्वाचन नामावली को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने के लिए शनिवार को जनपद पंचायत सभागार में बस्तर तहसील के बीएलओ और सुपरवाइजरों की बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया
बैठक में घर-घर सर्वेक्षण कर मतदाता सूची का सत्यापन करने, छूटे पात्र मतदाताओं और जनवरी तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं का नाम फॉर्म-6 भरवाकर जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

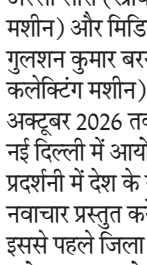
कुरंदी में 'स्पोर्ट्स फॉर प्रोटेक्शन' प्रशिक्षण संपन्न

जगदलपुर। बस्तर सामाजिक जन विकास समिति द्वारा संचालित बाल विकास कार्यक्रम के तहत ग्राम कुरंदी में आयोजित तीन दिवसीय 'स्पोर्ट्स फॉर प्रोटेक्शन' प्रशिक्षण का 9 अक्टूबर को समापन हुआ। इसका उद्देश्य खेल-कूद के माध्यम से बच्चों में आत्म-जागरूकता, नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल और सहानुभूति जैसे जीवन कौशल विकसित करना था।
समापन कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी विजय शर्मा, बाल कल्याण समिति के नोडल अधिकारी गुलशन कुमार भारिया, सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष नरेंद्र पाणीग्राही, एसआई सतीश येदुराज, एएसआई शकुंतला और संस्था के सचिव सुशील कुमार पांडेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मार्गदर्शन उप पुलिस अधीक्षक सुशांता लकड़ा ने किया।

निधन

शिवानी कर्मकार

जगदलपुर। धरमपुरा निवासी शिवानी कर्मकार का हृदय गति रुक जाने से पिछले दिनों निधन हो गया। वह लंबे समय से अस्वस्थ थीं मुंबई में उनका उपचार चल रहा था। वे पीजी कालेज में पदस्थ रहे शांतनु कर्मकार की माता थीं।



डीईओ ने बालाटिकरा, रोकेल और छिंदगढ़ में सुविधाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

आवासीय शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर बनाने और सुरक्षित वातावरण देने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने व्यवस्थाओं की पड़ताल शुरू कर दी है। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन में जिला शिक्षा अधिकारी जीआर मंडावी ने शनिवार को पोटाकेबिन बालाटिकरा, रोकेल तथा आरएमएसए छिंदगढ़ और रोकेल का निरीक्षण किया। इस दौरान शैक्षणिक गतिविधियों, बच्चों की उपस्थिति, आवासीय सुविधाओं, भोजन, पेयजल, शौचालय और स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया गया। मौके पर सहायक जिला परियोजना अधिकारी आशीष राम भी उपस्थित रहे। मंडावी ने विद्यार्थियों की उपस्थिति और शैक्षणिक प्रगति को गंभीरता से लेते हुए नियमित पढ़ाई पर जोर दिया। उन्होंने अनुपस्थित बच्चों के पालकों से संपर्क कर उन्हें नियमित स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही कमजोर विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने को कहा। संस्थाओं में उपलब्ध पेयजल, शौचालय, शयन कक्ष और भोजन व्यवस्था का मुआयना कर साफ-सफाई व गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। अनुदेशकों, रसोइयों और भृत्यों को अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने तथा विद्यार्थियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने को कहा गया।

पोटाकेबिन और स्कूलों का औचक निरीक्षण, जांची व्यवस्थाएं

स्वास्थ्य सुविधाओं और अनुशासन पर जोर

बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए अधीक्षकों को निर्देश दिए गए कि किसी भी बच्चे के अस्वस्थ होने पर तत्काल उपचार कराएं और जरूरत पड़ने पर अस्पताल ले जाने में देरी न करें। इसके अलावा प्रार्थना, योगाभ्यास और नियमित अध्ययन को बच्चों की दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा अनुशासित माहौल बनाए रखने पर जोर दिया गया।



सर्वांगीण विकास ही मुख्य उद्देश्य

मंडावी ने स्पष्ट किया कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर आवासीय सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाना, नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार लाकर बच्चों के सर्वांगीण विकास को गति देना है।

कलेक्टर और सीईओ ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

चिन्नागेलूर और कोंडापल्ली में चौपाल लगाकर सुनीं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दूरस्थ अंचल के प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने तथा ग्रामीणों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से

- बुनियादी सुविधाओं का लिया जायजा, मुफ्त इलाज और रोजगार की दी जानकारी

कलेक्टर विश्वदीप एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चौबे ने ग्राम चिन्नागेलूर, भट्टीगुड़ा एवं कोंडापल्ली का दौरा किया। इस दौरान गांवों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया गया और उनकी समस्याओं, मांगों व आवश्यकताओं की जानकारी ली गई।

कलेक्टर ने चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों से चर्चा करते हुए गांव में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, शासकीय योजनाओं की पहुंच तथा विभिन्न सेवाओं का लाभ मिलने की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।



इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नम्रता चौबे ने भी ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्रामीण विकास एवं आजीविका से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने मैदानी अमले को ग्रामीणों की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ग्रामीणों को आयुष्मान भारत योजना, वीबी रामजी योजना, वनाधिकार पट्टा एवं जॉब कार्ड से संबंधित जानकारी देते हुए रोजगार, आजीविका और स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में अवगत कराया। कलेक्टर ने पात्र परिवारों को आवश्यक पंजीयन एवं दस्तावेजी प्रक्रियाएं पूर्ण कराने के लिए प्रेरित किया।

ग्रामीणों को आवश्यक दस्तावेज एवं शासकीय सेवाएं आसानी से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर ने आधार कार्ड, बैंक खाता एवं श्रम कार्ड से संबंधित विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर शिविरों के माध्यम से पात्र ग्रामीणों के आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने, बैंक खाता खोलने तथा श्रमिकों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को इन कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से दूरस्थ कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

प्रशासन और ग्रामीणों के बीच संवाद मजबूत

ग्राम चिन्नागेलूर एवं भट्टीगुड़ा (कोंडापल्ली) में आयोजित चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं एवं मांगें सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखने का अवसर मिला। विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी मिलने से ग्रामीणों को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक होने का अवसर प्राप्त हुआ। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि ग्रामीणों की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण तथा प्रत्येक पात्र हितग्राही तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना जिला प्रशासन की प्रमुख प्राथमिकता है।

छात्रों को दिए तनाव प्रबंधन के टिप्स



हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

शासकीय दंतेश्वरी स्नातकोत्तर महाविद्यालय और जिला चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 10 अक्टूबर को एक विशेष कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के मुख्य प्रांगण एवं सभागार में हुआ,

- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कार्यशाला आयोजित

जिसमें विशेषज्ञों ने युवाओं को मानसिक संतुलन बनाए रखने के व्यावहारिक उपाय बताए।

मुख्य अतिथि व नोडल अधिकारी देश दीपक ने छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य केएम प्रसाद ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बेहद जरूरी है। वहीं समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापक रत्नबाला मोहंती ने समाज में निरंतर बढ़ रही मानसिक समस्याओं और उनके सामाजिक कारणों पर चर्चा की। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय से जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रतीक सोनी, सलाहकार अंकित सिंह, चिकित्सा मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिखा सरकार, धारणा ठाकुर, रेशमा एक्का, बंशीधर चौहान, सरला पैकरा, सिद्धार्थ देवांगन, अमित साहू सहित समस्त महाविद्यालयीन कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

थीम पर चर्चा और योगाभ्यास

संयोजक एवं मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक दिनेश कुमार लहरी ने इस वर्ष की थीम (विषय) पर प्रकाश डालते हुए समाज में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में क्रीड़ा अधिकारी भारती रजक द्वारा योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें योगाभ्यास के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का संदेश दिया गया।

गायन, चित्रकला, भाषण, वाद-विवाद, कविता और वादन में बस्तर की बेटियां रहीं अव्वल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

विकासखंड बस्तर में खंड स्तरीय सुपर गर्ल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पार्षद समीर मिश्रा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप

- खंड स्तरीय सुपर गर्ल प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने गायन, चित्रकला, भाषण, वाद-विवाद, कविता एवं वादन में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चित्रकला में पर्यावरण संरक्षण, भाषण में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' तथा वाद-विवाद में शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया गया।

विभिन्न विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं में चित्रकला में प्राथमिक से रश्मि बघेल, माध्यमिक से रिद्धि मरकाम व हायर सेकेंडरी से सेलिना बघेल रहीं। गायन में प्राथमिक से तनु बघेल, माध्यमिक से दीप्ति मरकाम व हायर सेकेंडरी से सानिया जैन अव्वल रहीं। भाषण में प्राथमिक से एंजेल बघेल, माध्यमिक से जेसिका ठाकुर व हायर सेकेंडरी से दीपशिखा सेठिया ने पहला स्थान पाया। वाद-विवाद में प्राथमिक से कांची भोयर, माध्यमिक से दिलेश्वरी बघेल व हायर सेकेंडरी से देविका प्रथम रहीं। कविता में प्राथमिक से संगीता, माध्यमिक से कविता मरकाम व हाई स्कूल से अंबिका नाग ने बाजी मारी। वादन में प्राथमिक से कविता यादव, माध्यमिक से प्रज्ञा खंडालकर व हायर सेकेंडरी से अमीना प्रथम रहीं।



बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने पर जोर

वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता रामानंद मिश्रा ने कहा कि बालिकाओं को शिक्षा प्राप्त करने और अपनी प्रतिभा निखारने के पूरे अवसर मिलने चाहिए। ऐसे आयोजन उनका आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। जनपद पंचायत बस्तर के अध्यक्ष संतोष बघेल ने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

खंड शिक्षा अधिकारी भारती देवांगन ने प्रतियोगिता के आयोजन में संकुल समन्वयकों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं के योगदान की सराहना की। मंच संचालन महेंद्र सिंह ठाकुर ने किया। इस अवसर पर जनपद सदस्य गजेंद्री बघेल, सहायक खंड शिक्षा अधिकारी सुशील तिवारी, खंड स्रोत समन्वयक अजम्बर कोर्राम सहित संकुल शैक्षिक समन्वयक, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्राएं उपस्थित रहीं।

महाराणा प्रताप चौक पर विराजीं मां दुर्गा, नकुलनार में भक्तिमय माहौल



हरिभूमि न्यूज ⏭ नकुलनार

शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर नकुलनार में पारंपरिक रूप से

- गाजे-बाजे और आतिशबाजी के साथ हुआ स्वागत, श्रद्धालुओं ने मांगी सुख-समृद्धि

महाराणा प्रताप चौक पर मां दुर्गा की प्रतिमा विराजित की गई। पहले दिन ग्रामीणों ने गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और भव्य आतिशबाजी के साथ मां का स्वागत किया। गांव की सरहद से स्थापना स्थल तक शोभायात्रा निकाली गई, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। नकुलनार दुर्गा समिति द्वारा नवरात्रि के दौरान मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए दूर-दराज से आने वाले पदयात्रियों के लिए विशाल सेवा पंडाल तैयार किया गया है। यहां चौबीसों घंटे श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा की व्यवस्था की गई है, जिसमें ग्रामवासियों और समिति के सदस्यों का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

पहले दिन खीर का भंडारा, नौ दिनों तक सेवा

नवरात्रि के पहले दिन सेवा पंडाल में श्रद्धालुओं के लिए खीर का प्रसाद वितरित किया गया। समिति द्वारा नगरवासियों और ग्रामवासियों के सहयोग से पूरे नवरात्रि पर्व के दौरान दिन-रात भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। अगले 9 दिनों तक गांव में भक्ति, पूजा-अर्चना और सेवा का माहौल बना रहेगा।

विधायक लखेश्वर ने तहसीलदार से ली मुआवजा राशि की जानकारी

बाढ़ पीड़ितों से मिले चरणदास महंत, किसानों ने उठाई कर्ज माफी की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर/घाटलोहंगा

इंद्रावती नदी की बाढ़ से प्रभावित परिवारों की समस्याएं जानने छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ग्राम पंचायत कुदालगांव पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर मकानों की क्षति, फसल बर्बादी और राहत राशि की जानकारी ली। इस दौरान बस्तर विधायक एवं विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल ने तहसीलदार बस्तर को फोन कर मुआवजा वितरण की स्थिति जानी। वहीं, इंद्रावती बचाओ संघर्ष समिति ने बाढ़ पीड़ितों के लिए 10 सूत्रीय मांगपत्र सौंपकर विशेष राहत पैकेज की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि इंद्रावती नदी की बाढ़ से धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है। जोताई, खाद, बीज और मजदूरी पर खर्च करने के बाद फसल बर्बाद होने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों ने नुकसान के अनुरूप मुआवजा देने की मांग करते हुए कहा कि फसल नष्ट होने की स्थिति में कृषि ऋण चुकाना और अगली खेती की तैयारी करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने सरकार से कृषि ऋण माफी पर विचार करने की भी मांग की। ग्रामीणों ने आरबीसी 6-4 के तहत प्रति हेक्टेयर 8 000 रुपये की सहायता को नुकसान की तुलना में अपर्याप्त बताते हुए राहत राशि बढ़ाने की मांग रखी। इस दौरान जिला बस्तर कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष प्रेम शंकर शुक्ला, शंकर राव, अंकित सिंह, राजेश कुमार, जितेंद्र तिवारी, पूरन कश्यप, धरम सिंह गोयल, डमरूधर बघेल सहित समस्त कार्यकर्त्तागण व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

- संघर्ष समिति ने सौंपा 10 सूत्रीय ज्ञापन



मकान क्षति के 815 प्रकरण

तहसीलदार बस्तर जाली जेम्स ने विधायक बघेल को बताया कि तहसील क्षेत्र में मकान क्षति के 815 मुआवजा प्रकरण तैयार कर राशि जारी की गई है। इनमें 465 आंशिक और 350 पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के प्रकरण शामिल हैं। इन प्रकरणों के लिए अब तक कुल 3 करोड़ 61 लाख रुपये जारी किए जाने की जानकारी दी गई। बाढ़ प्रभावितों से चर्चा के दौरान मुआवजा राशि खातों में पहुंचने और लंबित मामलों को लेकर भी सवाल उठे। ग्रामीणों ने मांग की कि प्रत्येक पात्र परिवार को सहायता मिलने की स्थिति स्पष्ट की जाए और शेष प्रकरणों का शीघ्र निराकरण हो।

50 हजार प्रति एकड़ मुआवजे की मांग

समिति के संभागीय अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप एवं जिला अध्यक्ष पूरन सिंह कश्यप ने चरणदास महंत को 10 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इसमें बाढ़ प्रभावित पात्र परिवारों को प्रति एकड़ 50 हजार रुपये सहायता, फसल बीमा राशि का तत्काल भुगतान, फसल क्षति का सर्वे और बस्तर जिले के लिए विशेष राहत एवं पुनर्वास पैकेज की मांग की गई। समिति ने क्षतिग्रस्त मकानों के लिए 1.20 लाख से 5 लाख रुपये तक विशेष आवासीय सहायता, मुख्यमंत्री राहत कोष की सहायता राशि 10 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपये करने तथा पूरी तरह क्षतिग्रस्त मकानों वाले परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना में प्राथमिकता देने की मांग भी रखी है।

रोजगार और पारदर्शी सर्वे की मांग

इसके अलावा बाढ़ प्रभावितों को रोजगार एवं मजदूरी सहायता, प्रभावित गांवों में राशन, पेयजल, बिजली और स्वास्थ्य सुविधाओं की बहाली, मकानों, कृषि भूमि, फसलों एवं पशुधन का पारदर्शी सर्वे तथा बेघर परिवारों के लिए सुरक्षित स्थानों पर स्थायी पुनर्वास की मांग उठाई गई। बाढ़ प्रभावितों ने कहा कि राहत राशि जारी होने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सहायता वास्तविक पीड़ितों तक पहुंचे। ग्रामीणों की प्रमुख मांग है कि मकान क्षति के मुआवजे के अलावा फसल बर्बादी और आजीविका के नुकसान की भरपाई के लिए भी ठोस कदम उठाए जाएं।

छत्तीसगढ़ में तीसरे मोर्चे की तैयारी, रायपुर में जुटे कई दल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

छत्तीसगढ़ में भाजपा और कांग्रेस से अलग एक वैकल्पिक राजनीतिक मंच के गठन के लिए रायपुर में विभिन्न राजनीतिक दलों, क्षेत्रीय संगठनों एवं सामाजिक प्रतिनिधियों की बैठक

- भाजपा-कांग्रेस के खिलाफ वैकल्पिक मंच पर मंथन, अगली बैठक 25 अक्टूबर को

हुई। इसमें जल-जंगल-जमीन, स्थानीय रोजगार, किसान, आदिवासी अधिकार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को एजेंडे के केंद्र में रखने पर चर्चा हुई। बैठक में बहुजन समाज पार्टी, छत्तीसगढ़िया पार्टी, छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, भीम आर्मी/आजाद समाज पार्टी, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे), हमर राज पार्टी, बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं छत्तीसगढ़ महतारी पार्टी के प्रतिनिधि शामिल हुए। जेसीसी (जे) और मोर्चा की ओर से जीतू बंजारे, नवनीत चाँद, संतु कश्यप एवं ओम मरकाम उपस्थित रहे।

प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि इस मंच का उद्देश्य केवल चुनावी तालमेल नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़िया हितों और संवैधानिक अधिकारों की मजबूत आवाज तैयार करना है। तीसरे मोर्चे के स्वरूप और आगे की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए अगली बैठक 25 अक्टूबर को की जाएगी।

खबर संक्षेप

ढोढरेपाल स्कूल का औचक निरीक्षण



जगदलपुर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ढोढरेपाल में सहायक जिला परियोजना अधिकारी जयंती कश्यप एवं व्यावसायिक शिक्षा व आईसीटी जिला नोडल अधिकारी सूरज निर्मलकर ने औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने लैब की व्यवस्थाओं, उपकरणों, प्रायोगिक गतिविधियों तथा विद्यार्थियों की कार्यकुशलता का अवलोकन किया।निरीक्षण के दौरान व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत संचालित ऑटोमोबाइल एवं कृषि ट्रेड की लैब में रखी मशीनों और उपकरणों के उपयोग की जानकारी ली। साथ ही विद्यार्थियों द्वारा किए जाने वाले प्रायोगिक कार्यों, गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।व्यावसायिक प्रशिक्षक खगेंद्र पाढ़ी ने ऑटोमोबाइल लैब में कराए जाने वाले प्रायोगिक कार्यों, विद्यार्थियों के कौशल विकास तथा उनकी उपलब्धियों से अवगत कराया। वहीं कृषि व्यावसायिक प्रशिक्षक शकुंतला केरकेट्टा ने कृषि उपकरणों के उपयोग, विद्यार्थियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण, स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से शिक्षण तथा औद्योगिक भ्रमण से विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। प्रदीप पटेल ने स्मार्ट टीवी एवं डिजिटल माध्यमों के उपयोग से शिक्षण कार्य कराए जाने की प्रक्रिया की जानकारी दी। सूरज निर्मलकर को विद्यार्थियों ने बताया कि वीडियो एवं डिजिटल सामग्री के माध्यम से विषयों को विस्तार से समझने में सहायता मिलती है। इससे कठिन अवधारणाओं को आसानी से समझने तथा पढ़ी गई बातों को लंबे समय तक याद रखने में मदद मिलती है। प्राचार्या ममता सार्वा से गुणवत्तापूर्ण, व्यावहारिक एवं कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने की बात कही गई।

पुल क्षतिग्रस्त होने से 13 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय कर पहुंचती है एम्बुलेंस

कस्तूरपाल की क्षतिग्रस्त पुलिया का किया निरीक्षण



जगदलपुर। ग्राम कस्तूरपाल में लगभग 1 वर्ष से क्षतिग्रस्त पुलिया की समस्या को लेकर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) एवं बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा की टीम निरीक्षण के लिए पहुंची। मौके पर पुलिया की स्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना।ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया लंबे समय से खराब होने के कारण आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। स्कूली बच्चों, मरीजों और आम नागरिकों को आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की है। ग्रामीणों के अनुसार, एम्बुलेंस को लगभग 13 से 15 किलोमीटर अतिरिक्त घूमकर आना पड़ता है, जिससे मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में परेशानी होती है।ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्रीय विधायक विनायक गोयल पुलिया का निरीक्षण करने पहुंचे थे और मरम्मत का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कार्य शुरू नहीं हुआ है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है और वे जल्द समाधान की मांग कर रहे हैं। मोर्चा की टीम ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि जल्द मरम्मत कराई जाए ताकि ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और मरीजों को राहत मिल सके।निरीक्षण के दौरान जिला अध्यक्ष संतु कश्यप, चित्रकोट विधानसभा अध्यक्ष कमल बघेल, उपाध्यक्ष पाकलू कश्यप, ग्रामीण चालकी कश्यप, राजू कश्यप, सोनारू मंडावी, दसो कश्यप, डोले बुधरू एवं ग्रामप्रसाद सहित अन्य उपस्थित रहे।

अंदरूनी गांवों तक पहुंचा बाघ रथ, वन्यजीव संरक्षण का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- इंद्रावती टाइगर रिजर्व में वन्यजीव सप्ताह का समापन

वन्यजीवों के संरक्षण और संवर्धन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंद्रावती टाइगर रिजर्व में 2 से 8 अक्टूबर तक वन्यजीव सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह की शुरूआत वन मंत्री केदार कश्यप ने बाघ रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाकर की। इस अभिनव पहल के माध्यम से बीजापुर जिले के अति संवेदनशील और अंदरूनी गांवों तक वन्यजीव संरक्षण का संदेश पहुंचाया गया। वहीं स्कूलों में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के जरिए विद्यार्थियों को प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति जागरूक किया गया। बाघ रथ यात्रा को वन्यजीव संरक्षण के संदेश को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने की नई पहल के रूप में शुरू किया गया। मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) उत्तम कुमार गुप्ता के निर्देशन और इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उप निदेशक सुमेध संजय सुरवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित इस रथ ने बीजापुर जिले के अति संवेदनशील एवं अंदरूनी ग्रामों का भ्रमण किया। इस दौरान ग्रामीणों को वन्यप्राणियों की सुरक्षा, उनके संरक्षण और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।

पेंटिंग, क्विज व रील स्पर्धाओं में बच्चों ने दिखाया हुनर

बच्चों ने प्रतियोगिताओं में दिखाया उत्साह

वन्यजीव सप्ताह के दौरान टाइगर रिजर्व के विभिन्न परिक्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में पेंटिंग, क्विज और रील बनाने जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को वन्यजीवों, जैव विविधता और प्राकृतिक पर्यावरण के महत्व से जोड़ने का प्रयास किया गया। प्रतियोगिताओं में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद जिला स्तर पर श्रेष्ठ प्रतिभागियों का चयन किया गया।



प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर किया सम्मानित

समापन समारोह पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उप निदेशक श्री सुरवाड़े ने डिवीजन स्तर पर चयनित विजेता छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार वितरण के साथ विद्यार्थियों और उपस्थित लोगों ने वन्यजीवों की रक्षा एवं संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सात दिवसीय जागरूकता अभियान का समापन वन्यजीव संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

दंतेवाड़ा के लिए 15 अक्टूबर तक होगा संचालन

दंतेश्वरी दर्शन के लिए शुरू हुई निःशुल्क बस सेवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए दंतेवाड़ा जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रोटरी क्लब जगदलपुर ने 'प्रोजेक्ट आशा' के तहत निःशुल्क बस सेवा शुरू की है। रविवार को जगदलपुर स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर में महापौर संजय पांडे एवं बस्तर महाराज कमल चंद्र भंजदेव की उपस्थिति में इस सेवा का शुभारंभ किया गया।यह बस सेवा 11 से 15 अक्टूबर तक जगदलपुर और दंतेवाड़ा के बीच संचालित होगी। इसका उद्देश्य सीमित रेल सुविधाओं के बीच श्रद्धालुओं और जरूरतमंद यात्रियों को आवागमन का वैकल्पिक साधन उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें मां दंतेश्वरी के दर्शन के लिए यात्रा करने में सुविधा मिल सके।रोटरी क्लब के अनुसार, दंतेवाड़ा के लिए



सीमित रेल सेवाओं के कारण यात्रियों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसे देखते हुए श्रद्धालुओं को परिवहन संबंधी परेशानियों से राहत देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है।इस परियोजना के चेयरमैन रोटरी क्लब के उपाध्यक्ष संग्राम सिंह राणा हैं। वहीं, क्लब के सचिव अंकित गोयल और संयुक्त सचिव सप्तगिरि मद्दी सेवा के संचालन एवं समन्वय की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार, मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर जगदलपुर से दंतेवाड़ा के लिए पहली बस सुबह 7 बजे और दूसरी बस दोपहर 2 बजे रवाना हुई। वहीं, दंतेवाड़ा स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर से जगदलपुर के लिए बस सुबह 10 बजे और शाम 5 बजे प्रस्थान करेगी।

केवल एकतरफा यात्रा की सुविधा

रोटरी क्लब के सचिव अंकित गोयल ने स्पष्ट किया कि यह सेवा केवल एकतरफा यात्रा अर्थात ड्रॉप सुविधा के रूप में उपलब्ध है।जगदलपुर से दंतेवाड़ा जाने वाले यात्रियों को उसी बस से वापस लाने की व्यवस्था नहीं होगी। यात्रियों को अपनी वापसी की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। इसी प्रकार, दंतेवाड़ा से जगदलपुर आने वाली बसों का संचालन निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार होगा। इसे पहले गए यात्रियों की वापसी की सुनिश्चित व्यवस्था नहीं माना जाना चाहिए।

जनसेवा और धार्मिक आस्था को जोड़ने की पहल

परियोजना चेयरमैन संग्राम सिंह राणा ने कहा कि 'प्रोजेक्ट आशा' जनसेवा और धार्मिक आस्था को जोड़ने का प्रयास है। इस पहल के माध्यम से क्लब का उद्देश्य परिवहन संबंधी कठिनाइयों का सामना कर रहे श्रद्धालुओं को राहत प्रदान करना है।उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे निर्धारित समय, प्रस्थान स्थल और एकतरफा यात्रा की शर्तों को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की योजना बनाएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

एलिसीबा ने बढ़ाया बस्तर का मान



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- इंस्पायर अवार्ड-मानक योजना में राष्ट्रीय स्तर पर चयन, शिक्षा मंत्री ने किया सम्मानित

बस्तर की होनहार छात्रा एलिसीबा ने अपनी वैज्ञानिक सोच और नवाचार के दम पर राष्ट्रीय पटल पर जिले और पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। प्रतिष्ठित इंस्पायर अवार्ड-मानक योजना में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने पर शनिवार को छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया।

शिक्षा मंत्री ने एलिसीबा को इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि बस्तर जैसे अंचल से निकलकर किसी छात्रा का राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। यह सफलता दर्शाती है कि प्रतिभा किसी क्षेत्र विशेष की मोहताज नहीं होती। सही मार्गदर्शन और लगन से सुदूर वनांचल के बच्चे भी बड़े मुकाम हासिल कर सकते हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा

शिक्षा मंत्री ने छात्रा के शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सहयोग देने हेतु प्रतिबद्ध है। एलिसीबा की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से न केवल बस्तर जिले में, बल्कि पूरे प्रदेश के शैक्षणिक जगत में हर्ष का माहौल है।

बलांगीर के किसानों ने सीखी उन्नत खेती की तकनीक



हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- फसल विविधीकरण से लेकर कंद, दलहन, धान, काजू व रोपण फसलों की उत्पादन तकनीकों का लिया व्यावहारिक अनुभव

सीमावर्ती राज्य ओडिशा के बलांगीर जिले से पहुंचे किसानों ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र जगदलपुर का भ्रमण कर फसल विविधीकरण और उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के दौरान किसानों ने अनुसंधान प्रक्षेत्र में संचालित विभिन्न फसल प्रदर्शनों, अनुसंधान प्रयोगों और फसल विविधीकरण आधारित गतिविधियों का अवलोकन किया। किसानों ने केंद्र के खेतों में कंद फसलों, दलहनी फसलों, धान, काजू, रोपण फसलों तथा वर्षा आधारित कृषि से संबंधित विभिन्न उत्पादन तकनीकों को करीब से देखा। वैज्ञानिकों ने किसानों को स्थानीय कृषि परिस्थितियों के अनुसार फसल चयन, उत्पादन तकनीक और विविधीकरण के माध्यम से खेती को अधिक लाभकारी बनाने की संभावनाओं की जानकारी दी। भ्रमण के दौरान किसानों ने कृषि वैज्ञानिकों के साथ संवाद कर विभिन्न फसलों की उत्पादन तकनीक, फसल विविधीकरण तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप कृषि पद्धतियों को अपनाने को लेकर चर्चा की। वैज्ञानिकों ने खेत में चल रहे विभिन्न प्रयोगों और फसल प्रदर्शनों के माध्यम से किसानों को तकनीकी जानकारी दी। इस दौरान किसानों ने फसलों की उत्पादन क्षमता, वर्षा आधारित खेती में बेहतर विकल्प तथा पारंपरिक खेती के साथ नई फसलों को शामिल करने की संभावनाओं को भी समझा। किसानों के सवालों का वैज्ञानिकों ने मौके पर ही समाधान किया।

किसान-वैज्ञानिक संवाद को मिला बढ़ावा

यह भ्रमण किसान-वैज्ञानिक संवाद और ज्ञान-विनिमय की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। बलांगीर जिले से आए किसानों को वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों और फसल विविधीकरण को अपनाने के लिए उपयोगी व्यावहारिक जानकारी मिली। इससे किसानों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप खेती में नए विकल्प अपनाने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

मुरिया दरबार में माहरा समाज को प्रतिनिधित्व मिलनी चाहिए : कश्यप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- सांसद ने कहा जगदलपुर और धरमपुरा को बसाने में जगतु माहरा और धरमु माहरा 2 भाइयों का योगदान

बस्तर दशहरा लगभग 75 दिनों तक चलने वाला ऐतिहासिक पर्व है। इसकी शुरुआत अमावस्या के दिन टुरलु खोटला के पूजा और अन्य परंपरागत विधानों से होती है। काछन गादी पूजा विधान के पश्चात जोगी बिठाई और कलश स्थापना सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाते हैं।सांसद



महेश कश्यप ने कहा कि बस्तर दशहरा में सदियों से चली आ रही परंपराओं का आज भी उसी विधि-विधान के अनुरूप निर्वहन किया जा रहा है। माहरा समाज द्वारा कांटे के झूले का निर्माण और उसकी पूजा-अर्चना इसी ऐतिहासिक परंपरा का हिस्सा है।उन्होंने माहरा समाज के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि जगदलपुर क्षेत्र जगतु माहरा और धरमु माहरा दो भाइयों की थी।समाज से जुड़ी मान्यताओं और परंपराओं के अनुसार, तत्कालीन राजा को राजधानी बसाने और महल निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने में भी समाज की भूमिका रही थी।वर्तमान में माहरा समाज के इन विभूतियों के नाम से क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत होना भी समाज की ऐतिहासिक पहचान और विरासत को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपरा को देखते हुए मुरिया दरबार जैसे प्रमुख आयोजन में भी समाज को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

प्रवेश द्वार निर्माण के लिए 20 लाख स्वीकृत

माहरा समाज के संभागीय अध्यक्ष राजू बघेल ने बताया कि विधायक किरण देव की अनुशंसा पर समाज की ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित करने और क्षेत्र के विकास के उद्देश्य से प्रवेश द्वार निर्माण के लिए 20 लाख रुपये स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया कि धरमपुरा और आमागुड़ा चौक में प्रवेश द्वार निर्माण का प्रस्ताव है। समाज की ओर से इस पहल को अपनी ऐतिहासिक विरासत को सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।काछनगादी पूजा विधान केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि बस्तर की सदियों पुरानी परंपराओं, जनजातीय आस्था और विभिन्न समाजों की ऐतिहासिक सहभागिता का प्रतीक है।

बस्तर दशहरा में जब आस्था के शिल्पकारों के सम्मान में झूके हाथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- रिटायर्ड शिक्षिका ने पेश की 'सेवा जोहार' की अनूठी मिसाल

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा की भव्यता सिर्फ उसके विशालकाय रथ और रस्मों के साथ उस जन-भागीदारी में भी बसती है जो पर्दे के पीछे रहकर इस पर्व को जीवंत बनाती है। इसी परंपरा और समर्पण को नमन करते हुए सिरहासार भवन में एक बेहद भावुक और आत्मीय दृश्य देखने को मिला, जहां आस्था और कृतज्ञता एक साथ मुस्कुराते नजर आए। गंगानगर वार्ड की सेवानिवृत्त शिक्षिका मनकुंवर सोनी ने अपने पूरे परिवार के साथ मिलकर बस्तर दशहरा के विशालकाय रथ का निर्माण करने वाले पारंपरिक शिल्पकारों के लिए सेवा जोहार कार्यक्रम का आयोजन कि या । दि न - रा त पसीना बहाकर ऐतिहासिक रथ को आकार देने वाले इन हुनरमंद हाथों के सम्मान में उन्होंने सिरहासार भवन में न्यौता भोज आयोजित किया। उन्होंने कारीगरों को भोजन परोसा और बताया कि यह भोज किसी औपचारिकता का हिस्सा नहीं, बल्कि उनकी अंतरात्मा से उपजी श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक है। उन्होंने कहा जो हाथ बस्तर की पहचान गढ़ते हैं, उनकी सेवा करना ही सच्ची पूजा है। कार्यक्रम का समापन और भी भावुक रहा, जब भोजन के उपरांत सोनी और उनके परिजनों ने सभी बढ़ई कारीगरों को सम्मानपूर्वक कंबल भेंट किए। आने वाली ठंड के पहले मिला यह स्नेह और उपहार पाकर कारीगरों के चेहरों पर सुकून और कृतज्ञता की चमक दिखाई दी।पर्दे के पीछे रहकर बस्तर की ऐतिहासिक धरोहर को गढ़ने वाले शिल्पकारों के प्रति एक पूर्व शिक्षिका का यह सम्मान स्थानीय लोगों के बीच चर्चा के साथ ही प्रेरणा का मिसाल बना ।



ट्रेक्टर व बस में टक्कर, महिला समेत दो घायल

जगदलपुर। कोड़ेनार थाना क्षेत्र के डिलमिली मुख्य मार्ग में बीती रात लगभग आठ बजे तेज रफ्तार बस व ट्रेक्टर के बीच हुई टक्कर में बस का कण्डेक्टर व एक महिला यात्री घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार जारी है। जानकारी के मुताबिक बैलाडिला से बिलासपुर जा रही राजधानी ट्रेव्हल्स की बस क्रमांक सीजी 10 जी 7299 व निलगिरी लकड़ी लदे ट्रेक्टर के बीच टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ट्रेक्टर पर न तो कोई संकेतक था और न ही रेडियम लगा हुआ था इसी बीच ओवरटेक करने के दौरान ट्रेक्टर बस से टकरा गई। इस हादसे में बस का कण्डेक्टर व एक महिला यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही कोड़ेनार थाना प्रभारी विजय पटेल टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को उपचार के लिए मेकाज रवाना किया गया जहां उनका उपचार जारी है। टीआई ने बताया कि ट्रेक्टर में निलगिरी लोड था जिसे वाहन चालक रायकोट लकड़ी टॉल लेकर जा रहा था इसी दौरान दोनों वाहनों में टक्कर हो गई। मामले में कोड़ेनार पुलिस ट्रेक्टर को जब्त कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

35 लाख की लागत से बनी ओड़िया फिल्म, विशाल पटनायक के निर्देशन में तैयार हुई

कोरापुट की मिट्टी, संस्कृति और ग्रामीण जीवन की कहानी है 'मालीपुट मेलोडीज'

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ओडिशा के ग्रामीण जीवन, स्थानीय संस्कृति और मानवीय संवेदनाओं को सिनेमा के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली ओडिया फिल्म 'मालीपुट मेलोडीज़' इन दिनों दर्शकों के बीच पहुंच रही है। फिल्म के प्रचार के सिलसिले में शुक्रवार को पत्रकार भवन में पत्रकार वार्ता में ओडिशा से आए कलाकारों ने फिल्म की कहानी, निर्माण और इसकी विशेषताओं की जानकारी दी। कलाकारों ने बताया कि निर्देशक विशाल पटनायक के निर्देशन में लगभग 35 लाख रुपये की लागत से इस फिल्म का निर्माण किया गया है।कलाकारों के अनुसार, फिल्म वर्तमान में जयपुर, नवरंगपुर,



कोरापुट, रायगढ़ा और भुवनेश्वर सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शित की जा रही है। फिल्म का उद्देश्य ओडिशा के ग्रामीण परिवेश, वहां के लोगों के संघर्ष, उनकी उम्मीदों और स्थानीय परंपराओं को बड़े पर्दे पर जीवंत करना है।

4 कहानियों के जरिए ग्रामीण जीवन का चित्रण

18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'मालीपुट मेलोडीज़' की पृष्ठभूमि दक्षिण ओडिशा के कोरापुट क्षेत्र पर आधारित है। फिल्म में 4 अलग-अलग कहानियों के माध्यम से ग्रामीण समाज की जिंदगी, पारिवारिक रिश्तों, आर्थिक चुनौतियों और आम लोगों की भावनाओं को दर्शाया गया है।फिल्म की कहानियों में खिलौने और बांसुरी बेचने वाले लोगों के सपनों से लेकर रोजगार की तलाश, पारंपरिक लोककलाओं से जुड़े कलाकारों के संघर्ष और शादी की तैयारियों के बीच एक मध्यमवर्गीय परिवार की चुनौतियों को दिखाया गया है। इन कहानियों के माध्यम से स्थानीय समाज की वास्तविक परिस्थितियों को सामने लाने का प्रयास किया गया है।

स्थानीय कलाकारों को मिला अवसर

फिल्म के निर्देशन, छायांकन और संपादन की जिम्मेदारी विशाल पटनायक ने निभाई है, जबकि इसकी कहानी सुधाकर पटनायक ने लिखी है। कौशिक दास मुख्य निर्माता हैं। फिल्म में ब्रूंदाबन हेंताल, चंदन साहू, धना हरिजन, जयंत कुमार संतरा, कार्तिक राउत और नरेंद्र पटनायक सहित अन्य कलाकारों ने अभिनय किया है।फिल्म में स्थानीय कलाकारों को अवसर देने के साथ कोरापुट की संस्कृति, परिवेश और लोकजीवन को प्रामाणिक तरीके से प्रस्तुत करने पर जोर दिया गया है। फिल्म के संगीत और गीतों के जरिए भी क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचान को उभारने का प्रयास किया गया है।

क्षेत्रीय सिनेमा को नई पहचान देने की पहल

'मालीपुट मेलोडीज़' क्षेत्रीय सिनेमा के माध्यम से स्थानीय कहानियों को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने की एक पहल है। सीमित बजट में बनी यह फिल्म इस बात पर केंद्रित है कि आम लोगों के जीवन से जुड़ी कहानियां भी सिनेमा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकती हैं। पत्रकार वार्ता में कलाकारों ने फिल्म के माध्यम से ओडिशा की संस्कृति और ग्रामीण जीवन को अधिक से अधिक दर्शकों तक पहुंचाने की उम्मीद जताई।

